राज्य पुष्प ब्रहमकमल का अस्तित्व खतरे में

मध्य हिमालय के ऊपरी क्षेत्र में खिलने वाले ब्रहमकमल के अस्तित्व पर खंतरा मंडरा रहा हैं। भेड़ बकरियों के झुंड इस पुष्प को चुगकर तहस-नहस कर रहे हैं, वहीं, पर्यटक भी इसका जमकर दोहन कर रहे हैं। बावजूद इस दिशा में शासन, प्रशासन व मंदिर समिति कोई सुध नहीं ले रही हैं।

समुद्रतल से करीब 15500 फीट की ऊंचाई पर स्थित वासुकीताल को ब्रहमकमल (ससोरिया ओबवालाटा) की घाटी भी कहा जाता है यहां पूरे क्षेत्र में सावन-भादौ माह में यह देव पुष्प चारों तरफ अपनी खुशबू बिखरे रहता है, लेकिन इस बार यहां का नजारा, कुछ अलग हैं। गिनती के ब्रहमकमल दिख रहे हैं। पूरे क्षेत्र नजर जहां तक पहुंचे, इस पुष्प की गिनी चुनी पत्तियां या डंठल नजर आ रहे हैं। कारण, यहां पहुंच रहे पर्यटक इसका दोहन कर रहे हैं। दूसरी तरफ केदारनाथ क्षेत्र में इन दिनों मौजूद डेढ़ हजार भेड-बकरियों के झुंड इस ऊंचाई वाले क्षेत्र में पहुंचकर इस पुष्प को नुकसान पहुंचा रहे हैं। यही स्थिति रही तो राज्य पुष्प ब्रहमकमल का अस्तित्व ही खत्म हो जाएगा। दो दिन पूर्व वासुकीताल से लौटे केदारनाथ पुलिस चौकी प्रभारी विपिन चंद्र पाठक बताते हैं कि वहां इस बार सिर्फ पांच-छह ब्रहमकमल दिख रहे हैं। बीते वर्ष दो सितंबर को पूरे क्षेत्र में दो हजार से अधिक पुष्प थे, जिसमें अधिकांश खिले हुए थे।

वे बताते हैं जहां पुष्प उगे रहते थे, वहां मिट्टी की उखड़ी परत दिखाई दे रही हैं।

अमर उजाला (देहरादून), 27August 2016